# श्री सुखनन्दन जैन नन्नाजी की स्मृति में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर सम्पन्न...

प्रकाशचंद जैन, बबीना। नगर के प्रतिष्ठित प्रकाशचन्द जैन एवं उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल, उत्तर प्रदेश उद्योग युवा व्यापार प्रतिनिधि मण्डल ने नगर के वरिष्ठ नागरिक श्री सुखनन्दन जैन की पुण्य तिथि के अवसर पर वृहद स्वास्थ्य सेवाओं का आयोजन किया गया। शिविर में असाध्य रोगों से ग्रस्त लोगों को परामर्श, निदान तथा परीक्षण कर निःशुल्क औषधि वितरण कर उनके सुखी और निरोगी रहने की कामना की। शिविर में उपस्थित शल्य चिकित्सकों एलोपैथिक, आर्युवेदिक तथा होम्योपैथिक विशेषज्ञ चिकित्सकों ने सुबह से लेकर सायं 4 बजे तक धैर्य पूर्वक रोगियों की व्यथा को सुना।

स्वास्थ्य शिविर का शुभारम्भ कु. वीरेन्द्र सिंह के द्वारा किया उन्होंने नन्नाजी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित किया और कहा यह आलोकित दीप हमें नन्नाजी द्वारा दिखायें परोपकार और भक्ति के मार्ग पर चलने को प्रेरित करता रहेगा। सायंकाल समापन बेला में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. विजय खैरा, प्रवक्ता उ.प्र. काँग्रेस कमेटी तथा अध्यक्ष दाऊ तेज सिंह जूदेव पधारे । सभी अतिथियों ने नन्नाजी के चित्र के समक्ष श्रृद्धांजलि समर्पित की। विशिष्ट अतिथि राजेन्द्र सिंह यादव ने कहा प्रकाशजी ने अपने पिता की पुण्य तिथि पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन करके अत्यधिक पुनीत कार्य किया है। परहित समर्पण की अनूठी परम्परा प्रारम्भ करके एक सुयोग्य पुत्र ने अपने स्वनामधन्य पिता को सच्ची श्रृद्धांजलि दी है। अध्यक्षीय भाषण के उपरान्त 'नमन' सुखनन्दन कार्यक्रम हुआ इसमें सबसे पहले नन्नाजी की पुत्रवधुओं, बेटियों, पौत्र एवं पौत्रियों ने श्रृद्धा सुमन अर्पित किये।

मुख्य अतिथि डॉ. विजय खैरा ने अपने उद्बोधन में कहा नन्नाजी का देह त्यागना एक आलौकिक घटना थी। यह दुर्लभ संयोग महान भक्त को ही प्राप्त होता है। मन्दिर जी में भगवान बाहुबली की प्रतिमा के आगे जाप करने के उपरान्त जैसे ही प्रभु प्रतिमा समक्ष वंदना के लिये ऐसे झुके कि 'वंदना करते रहेगें जब तलक दम में दम' मूक शब्दों में कहते हुये सदगति प्राप्त कर गये। चिकित्सा शिविर का आयोजन करके प्रकाशजी ने स्तुत्य कार्य किया है इस सद्कार्य की प्रशंसा करने के लिये मेरे पास शब्द नहीं है। मुख्य वक्ता जैन पंचायत अध्यक्ष सिंघई महेन्द्र जैन ने कहा कि जैन समाज की महान विभूति भक्त शिरोमणि सुखनन्दनजी जैन मन्दिर श्री को जाते थे तो उनके भजनों में मानों एक आवाहन होता था कि चलो भक्तो मन्दिर, तुम्हें भगवान जी बुलाते है मैं तो इस बात का साक्षी हूँ कि कैसे यह दिव्य आत्मा परमात्मा के चरणों में विलीन हो गयी। मन्दिर जी में विराजमान मुनि श्री विश्वकीर्तिको जब यह घटना ज्ञात हुई तो उनके मुख से निकला 'जन्म जन्म मुनि जतन कराहि, अंत रामकह आवत नाही' नन्नाजी की दिव्य जीवन यात्रा, धर्म परायणता तथा सरल जीवन को वर्णित करने के लिये मेरे पास शब्द नहीं है। प्रकाश चन्द्र ने कहा यह स्वास्थ्य शिविर नन्नाजी के चरणों में समर्पित श्राद्ध पुष्प है। विराजमान विभूतियों ने मुझे जो संबल प्रदान किया है और आकर मेरा जो मान बढ़ाया है इसके लिये मै सबका आभारी हूँ। नन्नाजी का आर्शीवाद और आप लोगों का स्नेह मुझे ऐसे कार्य करने को प्रेरित करता रहेगा कहते कहते प्रकाशजी की आवाज भर्रा गयी और सभा का वातावरण बोझिल हो गया। तत्पश्चात समस्त चिकित्सकों को शाल, श्रीफल एवं प्रमाणपत्र भेंट किये गये । अतिथियों को स्मृति चिहन प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन हरीमोहन पुरोहित ने इन पंक्तियों के साथ नन्नाजी को श्रद्धांजली समर्पित करते हुए दिया – ''दुनिया उठाने आये मगर हम नही उठे, सजदा भी हो तो ऐसा सब सिजदा कहें जिसे ।।''

# भाव भीनी विनम्र श्रद्धांजलि

विशाल जैन, पवा। तालबेहट (ललितपुर) सिद्धक्षेत्र पावागिरीजी में ज्ञानचंद्र 'पुरा' की अध्यक्षता में आयोजित प्रबंध समिति की शोक सभा में क्षेत्र के संरक्षक श्री कैलाशचंद्र जैन 'विश्व परिवार' झांसी की चाची एवं सुराज कुमार शिखरचंद्र जैन जल संस्थान झांसी की पूज्यनीय माताजी श्रीमती कस्तूरीदेवी, ललितपुर निवासी महेन्द्रकुमार जैन चूना वालों के भाई कैलाशचंद्र जैन की धर्मपत्नी श्रीमती ऊषादेवी, क्षेत्र के पूर्व उपाध्यक्ष एवं कर्मठ और जुझारु सदस्य चम्पालाल जैन वर्धुआं, ललितपुर निवासी समाजसेवी सनत कुमार जैन नौहरकलां वालों की पूज्यनीय मातेश्वरी श्रीमती कलावतीदेवी, गंजबासौदा निवासी मनीषकुमार आशीष जैन के पूज्य पिताजी धर्मश्रेष्ठी नरेशकुमार जैन एवं पूरा विरधा निवासी राकेश कुमार जैन शिक्षामित्र के पूज्य पिताजी प्रकाशचंद जैन के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। इस अवसर पर भावभीनी श्रद्धांजली देते हुए वक्ताओं ने दिवगंत आत्माओं की सेवा, सादगी, समर्पण और धार्मिक प्रवृत्ति पर प्रकाश डाला एवं दो मिनिट का मौन धारण कर आत्मा की शांति एवं उनके परिवार को दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए पारसनाथ स्वामी से कामना की। श्रद्धांजलि देने वालों में राजेन्द्रकुमार टूंका बबीना, उत्तमचंद्र, शिखरचंद्र कड़ेसरा, प्रेमचंद्र नयाखेड़ा, राजकुमार पवा, जयकुमार कंधारी, सिंघई सुमत कुमार, रवि जैन, विनोद कुमार, आनंद जैन, प्रवीन कड़ेसरा, पुष्पेन्द्र विरधा, राकेश मोदी, विकास भंडारी, मनीष जैन, संदीप जैन, अखलेश जैन, विशाल जैन आदि प्रमुख रहे।

# विद्यार्थियों से अनुरोध

वर्तमान समय परीक्षाओं का है, आप मन लगाकर अध्ययन करे और अच्छे अंको से उत्तीर्ण होकर अपना व अपने परिवार का नाम रोशन करें। **'गोलालारीय दर्शन'** के आगामी अंक **प्रतिभाशाली विशेषांक** में अपनी अंकसूची फोटो के साथ प्रेषित करे ताकि हम गौरवांवित हो आपको सम्मानित कर सकें।


अटूट भ्रातृत्व प्रेम के धनी, हमारे प्रेरणा स्रोत जिनका संयमित सत्यनिष्ठ, समन्वयवादी,
देवशास्त्र गुरु के प्रति समर्पित जीवन सदैव एक दीप स्तंभ की तरह हमको
अलौकिक संबल प्रदान करता रहेगा, जिससे हम सभी सदैव आपके पद चिन्हों पर चलते रहे।
दिव्य ज्योति में विलीन हुई आत्माओं को भाव भीनी श्रद्धांजलि....

अटूट भ्रातृत्व प्रेम

स्व. श्री गुलाबचंद जैन
जन्म दिनांक : 28.03.1928
पुण्यतिथि : 28.03.2012

स्व. श्री रतनचन्द जैन
जन्म वर्ष : 1926
पुण्यतिथि : 23.06.2013

॥ श्रद्धानवत ॥
राजेन्द्र कुमार जैन, शिशुपाल जैन
राजकुमार जैन खुरई
श्रीमती राजकुमारी आनंद कुमार, श्रीमती कल्पना पवन कुमार, श्रीमती साधना दिनेश कुमार जैन
एवं समस्त वैद्य परिवार खुरई जिला सागर (म.प्र.)